बुधवार
22 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

अब दोमुहे बालों का होगा अंत...!

पृष्ठ 5

फिल्म अपूर्वा से अभिनय की परीक्षा में अव्वल नंबरों से पास हुई तारा सुतारिया

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 280
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।

– प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मिशन जिंदगी: कामयाबी के करीब

❑देर रात या सुबह तक पूरा हो सकता है रेस्क्यू ऑपरेशन

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों की जान बचाने के लिए चलाये जा रहे मिशन जिंदगी को आज 11 दिन होने जा रहे हैं। कल तक इस मिशन को लेकर जो अनिश्चितता के बादल घिरे हुए थे वह अब छटंने लगे हैं। बीते कल इन श्रमिकों तक 6 इंच का पाइप और उससे जरूरी सामान पहुंचने तथा एंडोस्कोपी कैमरा पहुंचने के बाद उन सभी की सलामती की जो तस्वीर बाहर आई थी वह राहत देय थी लेकिन आज 11 दिन बाद सबसे सुखद बात सामने

●अब सिर्फ20 मीटर दूर है सुरंग में फंसे श्रमिक
●आगर मशीन से ड्रिलिंग का फार्मूला सबसे कामयाब
●39 मीटर तक पहुचे पाइप, काम लगातार जारी
●सभी पांच विकल्पों पर हो रहा है एक साथ काम

आई। जब पत्रकार वार्ता में यह बताया गया कि सुरंग में बीती रात से आगर मशीन सुरक्षित तरीके से कम कर रही है तथा 800 एमएम की तीन पाइप अब तक और ड्रिल किये जा चुके हैं जो अब 39 मीटर तक पहुंच चुके हैं।

उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्यकारी अधिकारी भास्कर खुल्बे ने पत्रकारों को बताया कि यह एक बड़ी सफलता है अगर इसी तेजी से आगे भी काम होता है और कोई बड़ी अड़चन नहीं आती है तो आज देर रात तक या फिर कल सुबह तक हम अपने मिशन को पूरा करने में कामयाब हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी हम 39 मीटर तक पहुंचे हैं और अभी 18-20 मीटर की ड्रिलिंग बाकी है लेकिन हम जब तक 50 मीटर तक नहीं पहुंच पाते हैं तब तक पुख्ता तरीके से अपनी बात नहीं कह सकते लेकिन सब कुछ ठीक रहा तो देर रात और सुबह तक हम उस बड़ी खुशखबरी के साथ आपके सामने होंगे जिसका इंतजार बीते 10-11 दिनों से हम सभी को है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारा आगर मशीन से ड्रिलिंग और पाइप पुशिंग का काम

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

हत्या का खुलासा, नशे की लत ने दोस्त का ही करा दिया कत्ल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मुखानी क्षेत्र में हुए पार्थ हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसके ही एक दोस्त को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि नशे की लत के चलते उसके ही द्वारा अपने दोस्त की हत्या कर दी गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीती 8 नवम्बर को राजेन्द्र सिंह सामन्त निवासी बच्ची नगर द्वारा थाना मुखानी में तहरीर देकर बताया गया था 31 अक्टूबर की रात को उनका पुत्र पार्थ राज सिंह सामन्त घर से मोबाइल लेने कह कर अपनी कार से गया व 1नवम्बर को सुबह आर.के.टैण्ट हाउस वाली सडक में वृन्दावन विहार के पास खाली प्लॉट चौकी आरटीओ रोड थाना मुखानी मे कार के साथ मिला जिसे अस्पताल ले जाने व चिकित्सक द्वारा मृत घोषित किया गया। उन्होने पार्थ ही हत्या में सिद्धार्थ उर्फ सिद्ध निवासी भूमिया विहार कुसुमखेडा थाना मुखानी, मंयक कन्याल निवासी आरके टैन्ट हाउस रोड थाना मुखानी, कमल रावत निवासी धान मिल डहरिया हल्द्वानी (नैनीताल) के शामिल होने की बात कही। मामले

में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटनास्थल पहुचने से पूर्व मृतक पार्थ राज सिंह सामन्त के साथ उसका दोस्त सिद्धार्थ उर्फ सिद्ध उर्फ सैमुअल, मंयक कन्याल व कमल रावत मौजूद थे। जबकि करीब रात्रि 11.15 बजे सिद्धार्थ अपनी मोटरसाइकिल से घर जाते हुये दिखाई दिया। इस बीच पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि एक नवम्बर की सुबह करीब 3.15 बजे मृतक पार्थ की कार से पार्थ के अलावा उसका दोस्त मंयक व कमल रावत आते दिखाई दिये और थोडी देर बाद समय करीब 3.22 बजे मयंक कन्याल भी घटना स्थल से अपने घर जाता दिखाई दिया। मृतक पार्थ के साथ अन्तिम समय तक कमल रावत उर्फ भदुवा ही मौजूद रहा।

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

आतंकी गतिविधियों में संलिप्त 4 और कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू। एक तरफ जहां सुरक्षा बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवाद के खात्मे के लिए घाटी में लगातार ऑपरेशन चला रही है, तो दूसरी तरफ कुछ लोग आतंकी गतिविधियों में लिप्त नजर आ रहे हैं। ऐसे में जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक्शन लेते हुए चार सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के प्रावधानों के उप-खंड (सी) के अनुसार किया गया, जो सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार देता है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में एक डॉक्टर, एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और उच्च शिक्षा विभाग का एक लैब बियरर शामिल है। हालांकि, सरकार ने उन आतंकवादी गतिविधियों की प्रकृति के बारे में खुलासा नहीं किया है, जिनमें ये व्यक्ति कथित रूप से शामिल थे। बर्खास्त किए गए लोगों की पहचान श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में सहायक प्रोफेसर (मेडिसिन) निसार-उल-हसन, कांस्टेबल अब्दुल मजीद भट, उच्च शिक्षा विभाग में प्रयोगशाला कर्मी अब्दुल सलाम राठेर और शिक्षा विभाग में शिक्षक फारुख अहमद मीर के रूप में हुई है। आपको बता दें कि पिछले तीन सालों में केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने 50 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त करने का बड़ा कदम उठाया है, जो कथित तौर पर सरकार के भीतर छाया में काम कर रहे थे।

करंट की चपेट में आने से 5 हाथियों की मौत

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम स्थित मुसाबनी वन क्षेत्र के बेनाशोल उपरबांधा पोटास जंगल में 33 हजार वोल्ट की चपेट में आने से 5 हाथियों की मौत हो गई। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के माइंस के लिए हाईटेंशन तार गया था, जिसकी चपेट में आने से हाथियों की मौत हुई है.बताया जा रहा है कि सोमवार रात से ही करीब 12 हाथियों के झुंड जंगल में घूम रहे थे, जहां 5 हाथियों की करंट लगने से मौत हो गई है। मरने वाले हाथियों में तीन हाथी के बच्चें व दो व्यस्क हाथी शामिल हैं। घटना ऊपरबांधा जंगल के पास की है। हाथियों की मौत की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने इसकी जानकारी मुसाबनी वन विभाग को दी है। वन विभाग के

रेंजर दिग्विजय सिंह, एचसीएल आईसीसी के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। आसपास के गाँवों के लोग जब सूखी लकडियां और पत्ते लाने के लिए जंगल में गये। उन्होंने जंगल में मरे हुए हाथियों को देखा और उनकी तस्वीरें खींच कर लाए और वन विभाग को जानकरी दी। दरअसल, ऊपरबांधा जंगल में मात्र 11 फीट की ऊंचाई से 33,000 वोल्ट का तार गुजरा है। वन विभाग ने कुछ दिन पहले ही जंगल में ट्रेंच की खुदाई की है और मिट्टी का टीला बगल में ही पड़ा रहने दिया। हाथी यहां से गुजर रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि रास्ता पार करने के एक हाथी मिट्टी के टीले पर चढ़ा तो ऊपर से गुजर रहे 33,000 वोल्ट के तार की चपेट में आ गया,हाथियों के झुंड से बिछड़े कई हाथी क्षेत्र में भ्रमण कर रहे है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बीते कई दिनों से हाथियों के झुंड फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत और टेरेंगा पंचायत में भ्रमण कर रहा थादर्जनों किसानों के खेत मे लगे धान फसल को हाथियों ने पहले खाया फिर रौंद कर बर्बाद भी कर दिया था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने वन विभाग से की थी। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों को रोकने के लिए टीला बनाया था जो हास्य का कारण बना है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बदहाल सड़कें

उत्तराखंड की सड़कों की क्या स्थिति है यह न सरकार से छिपा हुआ है और न नेताओं से। जनता तो इन बदहाल सड़कों से होने वाली दिक्कतों को रोज झेल ही रही है। मानसून काल में अतिवृष्टि और भूस्खलन और भू धसाव के कारण बदहाल हुई इन सड़कों को सुधारने की जो कवायद शुरू हुई थी वह भी अब उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल हादसे और नेताओं के चुनावी अभियान में व्यस्तता के मद्देनजर मंद गति से ही आगे बढ़ रही है। पूरा सरकारी अमला और पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी इन दिनों सिलक्यारा में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में जुटे हुए हैं और जो बाकी बचे हैं वह राजधानी दून में अगले माह के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट की तैयारी में लगे हुए हैं। बीते कल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों की बैठक में उन्हें हर हाल में 30 नवंबर तक राज्य की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के निर्देश देते हुए उन्हें चेतावनी दी गई है कि जो भी इस काम में लापरवाही करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि जो काम महीनो और सालों में भी पूरा नहीं हो सका है वह सिर्फ 8-10 दिनों में कैसे पूरा किया जा सकता है। जहां तक नेताओं की बात है वह भी इन दिनों चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं भाजपा प्रदेश में 23 नवंबर से 26 नवंबर तक भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर रही है जिसमें मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्रियों तक की ड्यूटी लगी हुई है। अभी मुख्यमंत्री जब राजस्थान में चुनावी अभियान पर गए हुए थे तो विपक्ष ने उन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा था कि सीएम चुनावी सभाएं कर रहे हैं और उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। अभी हाल में नैनीताल में हुए एक सड़क हादसे में आठ लोगों की जान चली गई निसंदेह इस हादसे के पीछे राज्य की खराब सड़के ही सबसे बड़ी वजह है। इन खराब सड़कों के कारण हर रोज राज्य में औसतन तीन लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। नेता विपक्ष का तो कहना है कि बीते 4 सालों में खराब सड़कों के कारण 3403 लोगों की मौत हो चुकी है। जहां तक राजधानी दून की बात है तो यहां स्मार्ट सिटी के कामों के चलते सड़कों की जो दुर्दशा हो चुकी है उसे एक सप्ताह तो क्या महीनो काम करके भी नहीं सुधार जा सकता है। राजधानी में सड़कों के गड्ढे भरने का काम किस तरह किया जा रहा है तथा इस पेचवर्क से सड़कों की हालत कितनी सुधर या बिगड़ रही है इसे देखकर यही कहा जा सकता है कि यह सड़कों को ठीक करना नहीं सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। राजधानी की खराब सड़कों के कारण पूरे शहर में दिन के समय जाम की स्थिति बनी रहती है। सड़क सुद्ढ़ीकरण के इस काम के कारण भी लोग भारी परेशान हैं अभी दो-तीन दिन पहले मोहंड से लेकर दून तक ऐसा जाम लग गया कि लोग चार-चार घंटे तक इस जाम में फंसे रहे। नगर निगम द्वारा इन्वेस्टर समिट के लिए 150 सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति एक माह के लिए की जा रही है जिससे देश-विदेश से आने वाले लोगों को एक साफ सुथरा शहर दिखाया जा सके। राजधानी की सभी नहीं तो कुछ खास सड़कों को 30 नवंबर तक जरूर चकाचक बनाया जा सकता है लेकिन बाकी शहर और प्रदेश का क्या? उस पर काम जैसे होता आया है वैसा ही होता रहेगा। भले ही राज्य की सड़कों में सुधार व कनेक्टिविटी बढ़ाने के चाहे जो दावे किए जाएं लेकिन धरातल पर सड़कों की हालत बद से बदतर हो चुकी है जिसे सुधारे जाने की जरूरत है।

उत्तरकाशी पहुंचे डीजी शिक्षा, सरकारी स्कूल का लिया जायजा

हमारे संवाददाता

देहरादून। महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड बंशीधर तिवारी द्वारा आज जनपद उत्तरकाशी के अटल उत्कृष्ठ राजकीय इण्टर कालेज उत्तरकाशी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा द्वारा प्रधानाचार्य कक्ष का निरीक्षण किया गया तथा शिक्षकों एवं स्टॉफ के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया गया। इस दौरान सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित पाये गये। इसके पश्चात महानिदेशक द्वारा विद्यालय की वर्चुअल कक्षा का निरीक्षण किया गया। वर्चुअल कक्षा में बच्चे ऑनलाईन पढ़ाई कर रहे थे तथा वर्चुअल कक्षा नियमित रूप से सुचारू एवं संचालित पायी गयी। महानिदेशक द्वारा वर्चुअल कक्षा में बच्चों की पढ़ाई पर संतोष व्यक्त करते हुये तारीफ की गयी। इसके पश्चात स्मार्ट कक्षा का निरीक्षण किया गया, जिसमें कक्षा 12 के बच्चे अंग्रेजी भाषा की किसी डाक्यूमेन्टरी को देख रहे थे तथा स्मार्ट कक्षा का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा था। सहायक अध्यापिका के द्वारा कक्षा 10 के बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाई जा रही थी। महानिदेशक द्वारा बच्चों की कॉपियां चैक की गयी तथा अच्छी राइटिंग पर बच्चों को शाबासी दी गयी, साथ ही समस्त बच्चों को अच्छी राइटिंग हेतु प्रोत्साहित किया गया।

महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा द्वारा अध्यापकों को निर्देश दिये गये कि छात्र-छात्राओं से विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों को सॉल्व करवाया जाये तथा साथ ही अच्छी राईटिंग लिखने का अभ्यास करवाया जाये। महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा द्वारा प्रत्येक कक्षाओं में जाकर शिक्षण कार्यों को देखा गया तथा छात्र-छात्राओं से किताबी ज्ञान के अलावा सामान्य ज्ञान के कई प्रश्नों के जवाब पूछे गये। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये और बेहतर प्रयास किये जाने के निर्देश दिए गए। विद्यालय में निरीक्षण के दौरान प्रबन्धन कार्य उत्तम पाया गया तथा अध्यापक का कार्य सुचारू रूप से संचालित था। महानिदेशक द्वारा विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य रेणू शाह सहित समस्त स्टॉफ को कर्तव्यनिष्ठता के साथ कार्य करने पर उनकी तारीफ एवं शुभकामनायें दी गयीं।

कॉल करने को मांगे फोन को लेकर युवक फरार

संवाददाता

देहरादून। कॉल करने के लिए युवक ने फोन मांगा और उसको लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्कुलर रोड निवासी मानसवी मैठाणी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 21 नवम्बर 23 को वह अपने घर सर्कूलन रोड से ग्राफिक ईरा कालेज के लिए जा रही थी। समय करीब 11बजे जब वह गाँधी शताब्दी अस्पताल के पास पहूँची तो एक लड़के ने कॉल करने के लिए उसका मोबाइल फोन माँगा और फिर उसका मोबाइल फोन लेकर वह लड़का एक लाल कलर की स्कूटी से भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फर्जी दस्तावेजों से सम्पत्ति अपने नाम कराने का आरोप, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों से सम्पत्ति को नगर निगम में अपने नाम दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिद्वार रोड आराघर निवासी कुमुद सेठी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके दादा नंदराम सेठी व मक्खन लाल कोहली ने खुडबुडा मौहल्ले में एक सम्पत्ति 1971 में खरीदी थी जोकि नंदराम व मक्खन लाल के नाम पर दर्ज है। उसने बताया कि श्रीमती प्रेमलता कोहली द्वारा अपने शपथपत्र में मिथ्या कथन पर उपरोक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति को अपने नाम दर्ज कराने हेतु नगर निगम कार्यालय में आवेदनपत्र के साथ श्रीमती प्रेमलता कोहली को द्वारा कपटपूर्वक व बेईमानी की नियत से मिथ्या दस्तेवजों की रचना की गयी। श्रीमती कोहली द्वारा उक्त वर्णित दस्तावेजों को छल के प्रयोजन से कूटरचना की गयी व उसका उपयोग उपरोक्त सम्पत्ति को नगर निगम के कार्यालय में अपने नाम करने के लिए उपयोग किया गया। जिसकी शिकायत उसने स्थानीय पुलिस से भी की लेकिन पुलिस ने उसकी कोई सहायता नहीं की। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बगैर होलोग्राम लगी 52 पेटी शराब प्रकरण

हरिद्वार आबकारी अधिकारी को 72 घंटे का समय, इंस्पेक्टर को हटाया

संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार रोशनाबाद शराब के ठेके से 52 पेटी शराब बगैर होलोग्राम लगी पकडे जाने पर जिला आबकारी अधिकारी को 72 घंटे का समय जवाब देने व आबकारी इंस्पेक्टर को पद से हटाया। आज यहां आबकारी आयुक्त एचसी सेमवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके निर्देश पर 19 नवम्बर को दून से एक टीम हरिद्वार के सभी शराब के ठेको में निरीक्षण किया गया जांच मे अनियमितता पायी गयी एवं रोशनाबाद अंग्रेजी शराब की दुकान पर 52 पेटी बगैर होलोग्राम लगी हुई बरामद की गयी। उक्त प्रकरण में शिथिलता पाए जाने पर जिला आबकारी अधि कारी हरिद्वार को 72 घंटे के अन्दर जवाब देने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र हरिद्वार संजय सिंह रावत को उक्त प्रकरण में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव उनको पद से हटाया गया।

एतं त्रितस्य योषणो हरिं हिन्वन्त्यद्रिभिः।
इन्दुमिन्द्राय पीतये॥

(ऋग्वेद ९-३८-२)

सत्-रज् और तम् से मायिक प्रकृति बनी है जिसको हम अपनी ज्ञानेंद्रियों से देख पाते हैं। परंतु परमेश्वर प्रकृति नहीं है इसे जानने के लिए बुद्धि का प्रयोग विद्वान मनुष्य करते हैं।

मोबाइल चोरी मामले में बाल अपचारी सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक बाल अपचारी सहित दो लोगो को पकड़ लिया है। जिनके कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती 20 नवम्बर को जैक्सी पुत्री मुकेश कुमार निवासी सलेमपुर रुड़की गंगनहर जनपद हरिद्वार द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती शाम सूचना मिली कि कृष्णा नगर गली नंबर 11 व गली नंबर 12 के पीछे शमशान घाट पर कुछ लड़के नशा करते हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे वहां पर दो व्यक्ति एकांत स्थान पर बैठे मिले नाम पता पूछने पर आशीष पुत्र बिजेंदर राठी निवासी राजेंद्र नगर सफीपुर रुड़की कोतवाली जनपद हरिद्वार व एक बाल अपचारी मौजूद मिले, तलाशी लेने पर आशीष के पास से एक मोबाइल फोन इंफीनिक्स कंपनी रंग आसमानी बरामद हुआ।

पूछने पर उसने उसे चोरी का फोन होना बताया। पुलिस ने आरोपी व बाल अपचारी के खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

पाएं मन चाहा फिगर

हैल्दी भोजन का यह बिल्कुल मतलब नहीं है कि आप खाना कम खाएं या सिर्फ न्यूट्रिशियस फूड ही खाएं। जिससे आप अपना मनचाहे फिगर को ही पा सकें। सीधा-

साधे का खाना का मतलब यह होता है कि ऐसा खाना, जिससे आप फिट एण्ड फाइन बनें रहें। लेकिन यह सब कुछ तभी हो सकता है, जब आप न्यूट्रिशन के कुछ बेसिक्स पॉइन्टों को समझे और उन्हें फॉलो करें। इन्हें जानकर आप अपना ऐसा डाइट प्लान कर सकते हैं, जो हेल्दी भी हो और टेस्टी भी। साथ ही आपको उसमें ढेर सारी वेरायटी भी मिल सके।

सिम्पल डायट लें

कैलोरीज का ख्याल रखने से बेहतर होगा कि आप खाने में वेरायटीज, फ्रेश और रंगों को पर ध्यान दें। खाने में जितने ज्यादा रंगों होंगे, उतना ही वो हेल्दी और पोषक होगा, जैसे- हरी सब्जियां, ताजा फल, दही, छाछ आदि, कुछ ऐसी हेल्दी रेसिपीज भी आप सीख सकते हैं, जो ईंजी हों और आपको पसंद भी हों।

ईटिंग हैबिट्स बदलाव लाएं

डायट को रातोंरात बदल देना तो बहुत मुश्किल है। धीरे-धीरे अनहैल्दी चीजों को हैल्दी चीजों से रिप्लेस करें, जैसे- अपने खाने में सलाद को नियमित रूप से शामिल करना, कुकिंग के लिए बटर की जगह ऑलिव ऑयल का यूज करना। धीरे-धीरे आप इसे एंजॉय करने लगेंगे। कुछ बेस्ट हेल्दी रेसिपी बुक्सें पढें, ताकि न्यूट्रिशन के बारे में ठीक से जान सकें।

पानी तो खूब पिएं

पानी से पूरा सिस्टम क्लीन हो जाता है। बॉडी के विशैले तत्व भी निकल जाते हैं। हम में से अधिकतर लोग अंजाने में ही पानी कम पीने के कारण डिहाइड्रेटेड रहते हैं। जिसके कारण से बॉडी में एनर्जी लेवल कम होना और थकान महसूस करते हैं।

देर रात खाना अवॉइड करें

डिनर जितना जल्दी हो सके, कर लें, क्योंकि जिस समय हमारा पाचनतंत्र बेहतर काम करता है, तभी खाना करना अच्छा होता है। डिनर और नाश्ते के बीच पाचनतंत्र को लगभग 15 घण्टे का आराम मिलना चाहिए। अध्ययन बताते हैं कि आपकी डायट हैबिट्स आपको फिट और स्लिम रखने में मददगार हो सकती है, जैसे-जब आप सबसे ज्यादा एक्टिव हों, तभी खाएं और अपने पाचनतंत्र को रोजाना लम्बा ब्रेक दें। आफ्टर डिनर स्नैक्स हमेशा फैट्स बढाते हैं, इन्हें अवॉइड करें।

रात्रि में लावारिस अवस्था में घूम रही बच्ची को पुलिस ने परिजनों के किया सुपुर्द

संवाददाता

देहरादून। रात्रि में लावारिस हालत में घुम रही नौ साल की बच्ची को पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए उसके परिजनों के सुपुर्द किया।

पुलिस कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार देर रात्रि को नीरज कुमार निवासी त्यागी रोड निकट अम्बर पैलैस व शीतल पत्नी नीरज कुमार निवासी उपरोक्त द्वारा थाना कोतवाली को सूचना दी गयी कि प्रिंस चौक के पास एक बच्ची उम्र लगभग 09 वर्ष लावारिस स्थिति में घूम रही है। सूचना पर पुलिस कांस्टेबल प्रदीप रावत व पीआरडी अंकुश कुमार द्वारा उक्त बच्ची को थाने लाया गया। बच्ची मानसिक रूप से थोडा विक्षिप्त लग रही थी, जो केवल अपना नाम शीतल बता रही थी, इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दे पा रही थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुये कन्ट्रोल रूम के माध्यम से सूचना जनपद के समस्त थानों/ रात्रि ड्यूटी में नियुक्त पुलिस कर्मियों को प्रेषित की गयी किन्तु कोई लाभप्रद जानकारी नही हो पायी। कुछ समय पश्चात कोतवाली में नियुक्त कांस्टेबल राकेश सती, जो पूर्व में थाना नेहरू कॉलोनी में नियुक्त रह चुका है , उसके द्वारा बच्ची को पहचानकर बताया गया कि उक्त बच्ची थाना नेहरूकालोनी क्षेत्र की रहने वाली है, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त है, जो पूर्व में भी अपने घर से कही चली गयी थी। जिस पर चौकी जोगीवाला थाना नेहरू कालोनी से सम्पर्क कर परिजनों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई तथा परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें थाने बुलाकर बच्ची को उसकी माता श्रीमती रूपम देवी पत्नी सकल देव शाह निवासी चकशाह नगर शिवलोक कॉलोनी थाना नेहरूकालोनी देहरादून के सुपुर्द किया गया। बच्ची की सकुशल बरामदगी पर परिजनों द्वारा दून पुलिस का आभार प्रकट किया गया।

सोने से पहले पैरों में मालिश करना फायदेमंद!

हम लोगों में से ज्यादतर लोग पैरों को उतना महत्व नहीं देते जितना कि देना चाहिये। पर क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से पैरों की मालिश करने से लुब्रिकेशन और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है, और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद भी मिलती हैं।

इतना ही नहीं, नियमित मालिश पैरों को मजबूती और अधिक लचीलापन भी प्रदान करता है। सोने से पहले अगर पैरों में नारियल तेल से मालिश की जाये तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है। तेल में मौजूद तत्व पैर की मांसपेशियों को आराम देता है जिससे शरीर से तनाव कम होता है और साथ ही ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा होता है। रोज़ मालिश करने से अच्छी नींद आती है और अन्य स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां भी ठीक होती हैं जैसे पेट ठीक रहता है, रोज़ाना होने वाला सर दर्द भी ठीक रहता है। यहां पैरों की मालिश को अपने नियमित दिनचर्या में शामिल करने के सात कारण दिये गये हैं, आइए जानें।

ब्लड सर्कुलेशन में सुधार शरीर के माध्यम से प्रसारित होने वाला ब्लड, शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाने के लिए जिम्मेदार होता है। ब्लड शरीर से अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को भी शुद्ध करता है। लेकिन जब तनाव की मौजूदगी के कारण ब्लड का फ्लो सीमित हो जाता है, तो पैरों की मालिश फायदेमंद हो सकती है क्योंकि इससे ब्लड सर्कुलेशन बेरोक प्रवाहित होता है।

पैर की परेशानियां रोज़ाना नारियल तेल से मालिश करने से पैर की नेर्वेस को आराम मिलता है और लेग सिंड्रोम को खत्म करने में भी मदद मिलती है। इसलिए इस परेशानी से निजात पाने के लिए रोज़ गर्म तेल की मैलिश करें।

लोअर ब्लड प्रेशर रोज़ सोने से पहले 1 मिनट तक पैरों में मसाज करने से मूड स्विंग और ऐंगज़ाइअटी की परेशानी खत्म होजाती साथ ही लो और हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी भी खत्म होजाती है।

शरीर के एसिड से निजात रोज़ 2 मिनट पैरों की मालिश करने से मांसपेशियों के ऊतकों में मौजूद लैक्टिक एसिड खत्म होने लगता है जो एक्सर्साइज़िज़ करने से होता है। इसे अगर अनदेखा करने से पैरों की अन्य समस्या बढ़ सकती हैं।

जोड़ों के दर्द में आराम जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाने का सबसे आसान तरीका है पैरों की मालिश, इससे आप हर तरह के जोड़ों के दर्द छुटकारा पा सकते हैं।

सिरदर्द में आराम पैरों में मालिश करने से आपको हर तरह के सर दर्द से आराम मिलता है, रोज़ 15 मिनट मालिश करने से दिमाग शांत होता है। और आप अच्छे से काम करते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद गर्भावस्था के आखरी महीनो में गर्भवती महिलाओं को पैरों में मालिश जरूर करनी चाहिए। इससे पैरों में जमा तरल पदार्थ किडनी में वापस चला जाता है जहाँ उसे बहार निकलने का रास्ता मिलता है।

मारपीट मामले में पति-पत्नी पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोईला आर्केडिया निवासी दिपेश ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अनिल गोस्वामी व उसकी पत्नी रजनी उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोग उसको बचाने आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये।

वन क्षेत्राधिकारी के घर से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने वन क्षेत्राधि कारी के घर पर धावा बोलकर वहां से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्णप्रयाग में तैनात वन क्षेत्राधिकारी रविन्द्र सिंह निराला ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका यहां सर्वप्रिय कालोनी में मकान है। दीपावली में बच्चे गांव गये थे। आज जब वह वापस आये तो उन्होंने देखा कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों के जेवरात व 65 हजार रूपये नगद चोरी करके ले गये।

सिल्क्यारा घटना ने खोली केंद्र व राज्य की आपदा प्रबंधन दावों की पोलः दसौनी

हमारे संवाददाता

देहरादून। सिलक्यारा टनल घटना ने केन्द्र व राज्य सरकार के आपदा प्रबन्धन के दावों की पोल खोल कर रख दी है।

कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान यह बात आज उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि भाजपा को केंद्र में साढ़े नौ साल और राज्य में 7 साल हो चुके हैं और यह एक लंबी अवधि होती है इस दौरान सत्ता रूढ़ दल द्वारा नारे और जुमले तो कई दिये गए लेकिन धरातल पर स्थिति क्या है यह सिलक्यारा घटना से आईने की तरह साफ हो गया है। दसोनी ने प्रेस वार्ता में नवोदय कंपनी से राज्य सरकार की साठ गांठ का भी आरोप लगाया ।

दसौनी ने कहा कि जिस नवोदय कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड खराब रहा हो और इसके ऊपर बीते अगस्त में महाराष्ट्र के ठाणे में 20 मजदूरों के मौत का आपराधिक मुकदमा दर्ज हो उस कंपनी को ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का 2000 करोड़ से भी ज्यादा का काम किस आधार पर दिया गया है? दसौनी ने कहा कि यहां उत्तराखंड की सरकार सिर्फ मीडिया मैनेज और हैडलाइन मैनेज करने पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं यदि इतना ही ध्यान प्रदेश में चल रहे निर्माण कार्यों पर दिया होता तो आज ये हश्र न हुआ होता। कहा कि 10 दिन से 41 मजदूर अंदर फंसे हैं प्रभारी मंत्री का आता पता नहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री भी नदारद है इससे पता चलता है कि भाजपा गरीब लोगों की जान के लिए कितनी संवेदनहीन है।

दसोनी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री उत्तराखंड आकर बेतुकी बयान बाजी कर उत्तराखंड के जख्मों पर और नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं। दसौनी ने कहा कि राज्य सरकार सिलक्यारा टनल को अपनी प्रयोगशाला समझकर हिट एंड ट्रायल कर रही है, जहां इस घटना की जवाब देही और जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए और कटघरे में भी राज्य सरकार होनी चाहिए वहीं उल्टा भाजपा के लोग विपक्ष को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। दसोनी ने कहा कि विपक्ष विकास विरोधी कतई नहीं है लेकिन उत्तराखंड को विकास लोगों की जान की और अपने पर्यावरण की कीमत पर तो बिल्कुल नहीं चाहिए।

कहा कि उत्तराखंड जैसे भौगोलिक विषमताओं वाले राज्यों में निर्माण कार्य करने से पहले हर तरह का सर्वेक्षण कर लेना बहुत जरूरी है। दसोनी ने वार्ता के दौरान यह भी कहा कि भाजपा को यह मुगालता है कि सारे बुद्धिजीवी उन्हीं के दल में है जबकि यह प्रादेशिक चुनौती है और इसका सबको मिलकर सामना करना चाहिए ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाए और राज्य के अनुभवी और बुद्धिजीवी लोगों को उस बैठक में आमंत्रित करके इस चुनौती से निपटने का रास्ता खोजे।

जाने दिल टूटने के दर्द से उबरने के स्पेशल टिप्स

दिल टूटना किसी सदमे से कम नहीं होता है। किसी रिलेशनशिप में रहते हुए अगर ब्रेकअप हो जाए तो उसका दर्द असहनीय होता है। कई लोग इस दर्द में पूरी तरह बिखर जाते हैं। खुद को अकेला महसूस करते हैं और फिर से दोबारा लाइफ शुरू करना काफी कठिन हो जाता है। लेकिन ब्रेकअप से टूटा दिल संभालना इतना भी मुश्किल नहीं है। यहां हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जिनकी मदद से आप ब्रेकअप के बाद खुद को एक नया स्टार्ट दे सकते हैं।

करियर पर करें फोकस

ब्रेकअप के बाद करियर पर फोकस करना सबसे अच्छा ऑप्शन माना जाता है। अगर आप अपना सारा ध्यान किसी बिगड़ी चीज पर लगाते हैं तो पूरा समय दुख में ही बीत जाता है। ऐसे में करियर में आगे बढने की सोचकर एक गोल सेट करें और फिर उसी के हिसाब से आगे बढ़ें। यह एक्स की याद से बाहर निकलने में काफी अच्छा साबित हो सकता है।

पॉजिटिव रहें

जिस पार्टनर को अपनी लाइफ मान चुके होते हैं, जब वह छोड?र जाता है तो निगेटिविटी पूरी तरह हावी हो जाती है। दिमाग में बुरे-बुरे ख्याल आते हैं। ऐसा लगता है कि अब तो कुछ बचा ही नहीं है, आगे कुछ नहीं हो सकता है। ऐसे में खुद को पॉजिटिव रखना चाहिए। इससे आपको आगे बढने की एनर्जी और मोटिवेशन मिल सकता है।

अकेले न रहें

ब्रेकअप के बाद बहुत से लोग करीबियों से कटने लगते हैं। उन्हें अकेले रहना पसंद आने लगता है। एकांत में रहने से दिमाग में पुरानी बातें बार-बार आती रहती हैं। ऐसे में फैमिली और फ्रेंड्स के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। ताकि ऐसी बातें दिमाग में न घूमें और आप आगे बढ़ सकें।

सच्चाई स्वीकार करें

ब्रेकअप के बाद निराश होने की बजाय सच्चाई स्वीकार करें और अपनी जिंदगी के बारें में सोचें। पुरानी बातें सिर्फ तकलीफ दे सकती हैं और इससे आपका ही वक्त बर्बाद होगा। अपने पार्टनर को जबरदस्ती भूलने की कोशिश न करें। इससे उसकी याद बढ़ती जाएगी। आज में जीने की कोशिश करें और पुराना सबकुछ भूलकर आगे बढने की ओर सोचें।

पसंदीदा चीजों में खुद को इनवॉल्व करें

ब्रेकअप के बाद सबकुछ भूलकर अगर उसकी ही ख्यालों में खोए रहते हैं तो ये आपके करियर, सेहत और बाकी चीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में उन चीजों को करें जो आपको ज्यादा पसंद आती हैं। अपनी हॉबी पर फोकस करें। डांस, म्यूजिक, खेल, मस्ती करने की कोशिश करें। हर छोटी-छोटी बातों को सेलिब्रेट करने से काफी फायदा मिलता है।

खुद के लिए समय निकालें

ब्रेकअप से बाहर आने के लिए खुद को समय दें। नॉलेज वाली बुक पढ़ें, ड्रेसिंग सेंस पर काम करें, शॉपिंग के लिए जाएं, घर पर खाना बनाएं या पसंद के रेस्टोरेंट जाकर नई डिश का स्वाद उठाएं। नई-नई जगह जाकर घूमें और उस जगह को एंजॉय करें।

खुद को दोषी न मानें

ब्रेकअप के बाद बहुत से लोग हर चीज का दोष खुद के ऊपर डालने लगते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि उनका रिश्ता टूटने का कारण वे ही हैं। ऐसा सोचने की बजाय सही वजह तलाशें और ब्रेकअप को बीमारी समझने की बजाय आगे बढ़ें। रात में नींद पूरी करें। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अब दोमुंहे बालों का होगा अंत...!

क्या आप भी दोमुंहे बालों की समस्या से परेशान हैं, क्या इसकी वजह से बालों की खूबसूरती बिगड़ रही है। अगर हां तो इसका तुरंत उपाय खोजना चाहिए, नहीं तो बालों की रंगत और भी ज्यादा बिगड़ सकती है। दरअसल, अल्ट्रा वॉयलेट किरणें, हेयर स्टाइलिंग टूल्स की हीट और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से बालों को काफी नुकसान पहुंच रहा है। इनकी वजह से बालों का टूटना, झडना़ और दोमुंहे जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में यहां आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जो दोमुंहे बालों की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं।

हेयर ट्रिमिंग

दोमुंहे बालों से छुटकारा पाना है तो हर तीन से चार महीने में बालों को हल्की सी ट्रिमिंग करवाएं। इससे दोमुंहे बाल कम तो होते ही हैं, उनका टूटना-झडना़ भी कम होता है। यह काफी अच्छा उपाय माना जाता है।

बनाना पैक

दोमुंहे बालों से छुटकारा दिलाने में केला मददगार हो सकता है। केले से बना हेयर पैक इस समस्या को दूर कर सकता है। इसके लिए पका केला लेकर उसे अच्छी तरह मैश करें और उसमें दही, नींबू रस और गुलाब जल डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस पैक से पूरे बालों को कवर करें। करीब एक घंटे बाद माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें।

नारियल तेल

नारियल का तेल भी दोमुंहे बालों से छुटकारा दिला सकता है। ये काफी पुराना और असरदार तरीका है, नारियल का तेल बालों पर लगाने से बाल रिपेयर होते हैं और उन्हें मजबूती मिलती हैं। नारियल के तेल को हल्का गर्म कर 15 मिनट तक बालों में मसाज करें। करीब दो घंटे बाद शैंपू से बाल धो लें।

पपीते का हेयर पैक

पपीता बालों को नौरिश करने का काम करता है। यह बालों की खोई चमक को भी वापस ला सकता है। इसे बनाने के लिए पपीते को अच्छी तरह से मैश करें और उसमें दही मिला लें। इस मास्क को करीब 30 मिनट तक बालों में लगाएं और फिर बालों को शैंपू से अच्छी तरह धोएं।

अंडे का पैक

अंडा बालों को अच्छी तरह कंडीशनिंग करता है। अंडे में ऑलिव ऑयल और 1 चम्मच शहद मिलाकर बालों की लंबाई के हिसाब से मास्क बनाएं और कम से कम 30 मिनट तक लगाए रखें। इसके बाद अच्छी तरह हेयर वॉश कर लें। (आरएनएस)

मनोज बाजपेयी की जोरम की रिलीज तारीख आई सामने

बॉलीवड के जाने-माने अभिनेता मनोज बाजपेयी पिछले लंबे समय से अपनी आने वाली फिल्म जोरम को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म में तनिष्ठा चटर्जी और राजश्री देशपांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब तक कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जा चुकी है।अब जोरम सिनेमाघरों के दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म 8 दिसंबर को दर्शकों के बीच आएगी।

टिकट खिडकी पर जोरम का सीधा सामना कैटरीना कैफ की मैरी क्रिसमस से होने वाली थी लेकिन मैरी क्रिसमस की रिलीज तारीख बढ़ा दी गई है वरना ऐसे में यह देखना दिलचस्प होता कि दोनों फिल्मों में से कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करती। जोरम एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो अपने अतीत और वर्तमान के बीच फंसा हुआ है।सर्वाइवल थ्रिलर यह फिल्म एक विस्थापित पिता की कहानी है, जो अपनी बच्ची के साथ अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा है।

जोरम सिडनी फिल्म फेस्टिवल, बुसान फिल्म फेस्टिवल, डरबन फिल्म फेस्टिवल, एडिनबर्ग फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है। डरबन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म के लिए मनोज को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी दिया गया था। पीयूष पुती ने सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफर का पुरस्कार जीता था।

शब्द सामर्थ्य -095

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

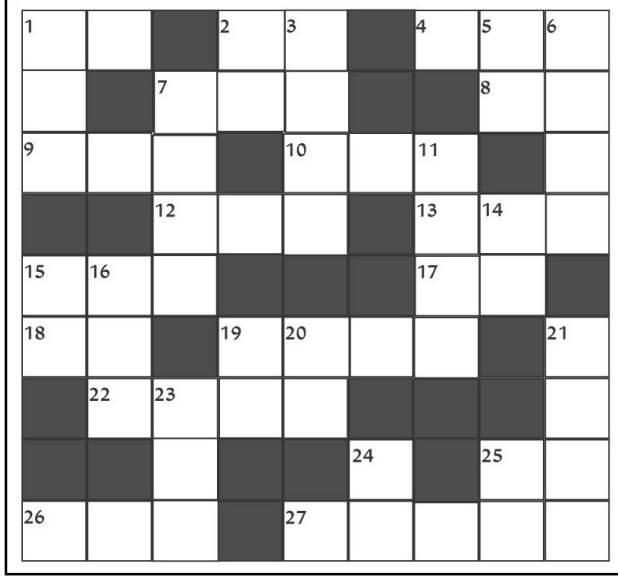

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 94 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

पंकज त्रिपाठी की कडक सिंह का प्रीमियर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा

पंकज त्रिपाठी का नाम भारतीय सिनेमा के उन अभिनेताओं में शुमार है, जिन्होंने अपनी दमदार अदाकारी से करोड़ों लोगों का दिल जीता है।पिछले कुछ समय से दर्शक उनकी आगामी फिल्म कडक सिंह का ब्रेसबी से इंतजार कर रहे हैं, जो सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी।फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।ताजा खबर यह है कि कडक सिंह का प्रीमियर गोवा में 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा।

54वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव इस महीने की 2० तारीख से गोवा में आयोजित किया जाएगा, जो 28 नवंबर तक चलेगा।पंकज ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कडक सिंह का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें सभी कलाकारों की झलक देखने को मिल रही है।उन्होंने लिखा, कडक सिंह की दुनिया का असली सच आएगा बाहर, पहली बार। कडक सिंह 54वें आईएफएफआई, गोवा में अपने आधिकारिक विश्व प्रीमियर के लिए तैयार है। कडक सिंह में संजना संघी भी हैं।

कडक सिंह रहस्य से भरपूर एक आकर्षक थ्रिलर है। फिल्म पंकज त्रिपाठी के किरदार एके श्रीवास्तव की हैरान कर देने वाली यात्रा दिखती है। वह प्रतिगामी भूलने की बीमारी से जूझते हैं और अपने अतीत की विरोधी कहानियों के जाल को उजागर करते हैं।

निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने कहा, कडक सिंह एक विशेष फिल्म है और आम लोगों के प्रति एक सरकारी अधिकारी की जिम्मेदारी के बारे में बात करती है। पंकज त्रिपाठी और संजना सांघी ने इस जटिल पिता बेटी की कहानी को चित्रित करने में शानदार काम किया है। वास्तव में, मैं पार्वती और जया अहसन सहित महान अभिनेताओं और सहयोगियों से भरे स्वर्ग में था, जहां उनमें से प्रत्येक ने वास्तव में एक शानदार थ्रिलर देने के लिए सीमा पार कर ली है।

सलमान की टाइगर 3 ने पार किया 16० करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

टाइगर 3 न सिर्फ सलमान खान, बल्कि 2०23 की भी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार थी, जिसे दिवाली के खास मौके पर हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।फिल्म ने रिलीज होने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।टाइगर 3 दर्शकों के दिलों और सिनेमाघरों पर राज कर रही है।अब फिल्म की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिसमें थोड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर 3 ने चौथे दिन 22 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 169 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म ने दुनियाभर में 24० करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।टाइगर 3 ने 44.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।दूसरे दिन फिल्म की कमाई में उछाल आया और इसने 59 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन फिल्म 44 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

टाइगर 3 में सलमान की जोड़ी अभिनेत्री कैटरीना कैफ के साथ बनी है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म में इमरान हाशमी भी मुख्य भूमिका में हैं।इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।टाइगर 3 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है और टाइगर फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त है।बता दें, हाल ही में सलमान ने टाइगर 3 की सफलता का सारा श्रेय दर्शकों को दिया था।

जूनियर एनटीआर की देवरा टीम ने फिर से शूटिंग की शुरू

दिवाली की छुट्टी के बाद ग्लोबल स्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा का निर्माण फिर से शुरू हो गया है। एक बार फिर इसकी शूटिंग आगे बढ़ रही है। टीम अब फीचर के कुछ सबसे अहम हिस्सों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म निर्माताओं ने एक बयान जारी किया, त्योहार के चलते अवकाश के बाद, हमारी टीम सेट पर वापस आ गई है। देवरा पार्ट 1 5 अप्रैल, 2०24 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म की शूटिंग के कुछ अंश पहले सामने आए थे, जिसमें कई जूनियर कलाकारों को दुश्मनों के रूप में अभिनय करते हुए दिखाया गया था। इसमें स्टंटमैन एक सीन को कोरियोग्राफ कर रहे थे, जो एक ब्लडी एक्शन सीन था, जहां जूनियर एनटीआर को स्पष्ट रूप से लाशों के ढेर पर खड़ा होना था।

फिल्म ने आखिरी शूटिंग अपडेट अक्टूबर में दिया था जब उन्होंने गोवा में फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की थी।

राज्य की शांत सुंदरता का इस्तेमाल करते हुए, देवरा के कुछ सबसे बड़े सीन को गोवा में शूट किया जाएगा।

शुरुआत में यह वन पार्ट वाली फिल्म थी, निर्देशक शिवा कोर्तला ने बाद में खुलासा किया कि देवरा को इसके रनटाइम, इसकी जटिल कहानी और इसके समग्र कैनवास के कारण दो भागों में विभाजित किया जाएगा, जो सावधानीपूर्वक विस्तृत था। देवरा का निर्माण सुधाकर मिक्कीलिनेनी और हरिकृष्ण ने किया है, जबकि संगीत अनिरुद्ध रविंचानेर का है।

फिल्म अपूर्वा से अभिनय की परीक्षा में अव्वल नंबरों से पास हुई तारा सुतारिया

पिछले काफी समय से फिल्म अपूर्वा सुर्खियों में है। यह इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए तारा सुतारिया ने ह्वज्ञज्ञ पर कदम रखा है और ऐसा पहली बार हुआ है, जब तारा का उनकी छवि से हटकर किरदार देखने को मिला है।फिल्म 15 नवंबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है।निखिल नागेश भट्ट के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है।

सबसे पहले परिचय होता है 4 लुटेरों, जुगनू भैया (राजपाल), सूखा (अभिषेक), बिल्ला (सुमित गुलाटी) और छोटा (आदित्य गुप्ता) से। फिर एंट्री होती है अपूर्वा (तारा) की, जो अपने मंगेतर का जन्मदिन मनाने के लिए सरकारी बस से आगरा जा रही है।इसी बीच गुंडे बस लूटकर अपूर्वा को अगवा कर लेते हैं।अब इन खूंखार दरिंदों के चंगुल से खुद को बचाने के लिए अपूर्वा किस तरह से संघर्ष करती है, यह आप फिल्म देखने के बाद जानेंगे।

तारा पहली बार ग्लैमरस किरदार से परे कुछ नया करती दिखीं। उन्होंने साबित कर दिया कि वह अच्छा अभिनय भी कर सकती हैं।तारा ये मौका भुनाने में कामयाब रहीं। अपूर्वा का दारोमदार उन्हीं के कंधों पर हैं और वो ही इसकी जान हैं। बेशक यहां से हिंदी सिनेमा में उनकी नई पारी शुरू हो सकती है।अभिषेक, सुमित और राजपाल अपने-अपने किरदार में कहर हैं, वहीं तारा के मंगेतर बने धैर्य कारवा भी अपनी मनोदशाओं से प्रभावित करते हैं।

राजपाल और अभिषेक ने अपने-अपने किरदार को इस कदर जीवंत बनाया कि उनके घिनौनेपन से नफरत होने लगती है। दोनों ने अपनी नकारात्मकता को खुलकर उभारा है।अभिषेक ने एक बार फिर प्रभावित किया है। हालांकि, उन्हें देख आपको पाताल लोक में उनके किरदार हथौड़ा त्यागी की याद आ जाएगी।राजपाल यादव चकित करते हैं। उनके अभिनय का एक अलग रूप देखने को मिला है। उनका खौफनाक अवतार डराता है। राजपाल की अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल किया गया है।

निर्देशक ने ठीक-ठाक काम किया है। सबसे अहम उन्होंने तारा से बेहतरीन अभिनय करवाया है। फिल्म को आगे चाहे जैसी भी प्रतिक्रिया मिले, लेकिन यह यकीनन तारा की पहचान की बड़ी जीत है।भले ही 1 घंटे 35 मिनट की फिल्म की इस कहानी में दम न हो और रोमांच के नाम पर दर्शक ठगे गए हों, लेकिन इसमें कलाकारों का चयन बड़ी सूझ-बूझ से किया गया है।फिल्म का संगीत और गाने अच्छे हैं। कैमरे का सचालन ठीक-ठाक है।

सर्वाइवल थ्रिलर फिल्मों में रोमांच एक बड़ी भूमिका निभाता है, जिसकी कमी अपूर्वा में कहीं-कहीं काफी खलती है। ऐसे दृश्य बहुत कम हैं, जो रोमांच को चरम पर ले जाएं।कुछ दृश्यों में दहशत दिखाए जाने की पूरी गुंजाइश थी, लेकिन यह अहसास कम ही होता है।शुरुआत से ही फिल्म की कहानी का अंदाजा लग जाता है। पटकथा और जोरदार हो सकती थी।फिल्म का माहौल कुछ-कुछ पिछली बार आई नुसरत भरूचा की फिल्म अकेली जैसा ही है।

फिल्म में दिखाया गया कि एक अकेली लडकी वक्त आने पर कुछ भी कर सकती है। वह कमजोर नहीं है और हर मुश्किल का डटकर सामना कर सकती है। अपूर्वा इसी की मिसाल है, जिसकी हिम्मत न हारने की जिद हौसला देती है।(आरएनएस)

अवनीत कौर ने इंटरनेट पर लगाया ग्लैमर का तडका

एक्ट्रेस अवनीत कौर हाल ही में बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं। अवनीत अक्सर अपने फिगर, ऑउटफिट और बोल्डनेस की वजह से चर्चा में रहती हैं। हाल ही में इनका एक और बोल्ड लुक लोगों को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है. बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा देती हैं।

एक्ट्रेस का हर अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत ने अपनी लेटेस्ट रिवीलिंग आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने दिवाली पर गोल्डन कलर का फ्लोरल लहंगा पहन कर फोटो क्लिक कराई हैं। चित्र में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत और बोल्ड नजर आ रही हैं।

फ्लोरल लहंगे के साथ एक्ट्रेस ने लो कट मेचिंग ब्लाउज वीयर किया है। साथ ही एक्ट्रेस ने मेकअप और खूबसूरत नेकपीस के साथ अपने लुक को को और भी ज्यादा ग्लैमरस बनाया है। अवनीत कौर ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में पटाखा इमोजी भी लगाई है।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- पटाखा मत फोड़ो, पटाखा बनो। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की कातिलाना अदाओं पर से फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं और जमकर उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं।

एक्ट्रेस की इन फोटो पर फैंस ने कमेंट बॉक्स में जमकर प्यार बरसाया है। एक यूजर ने उनके हुस्न की तारीफ करते हुए पटाखा कहा और वहीं अन्य यूजर्स भी अलग-अलग तरह से उनके हुस्न की तारीफ करते नहीं थक रहे।

बिहार की राजनीति में नया कुछ भी नहीं

अजीत द्विवेदी

जाति गणना के आंकड़े आने और आरक्षण की सीमा बढ़ाने के बिहार सरकार के फैसले के बाद हर तरफ यह सुनने को मिल रहा है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद ने राजनीति की दिशा बदल दी है। ऐसा लग रहा है जैसे इन दोनों नेताओं ने कोई नई राजनीति की है। लेकिन असल में इस राजनीति में कुछ भी नया नहीं है। पिछले 5० साल से ज्यादा समय से बिहार में यही राजनीति हो रही है और कुछ हद तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मंडल राजनीति से मजबूत हुए अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं की कृपा से पूरे देश में भी यही राजनीति चल रही है। हर नेता सोशल इंजीनियरिंग करता हुआ है और आरक्षण को चुनाव जीतने का रामबाण नुस्खा मान कर किसी न किसी तरह उसका इस्तेमाल करने की वकालत कर रहा है। कांग्रेस, राजद, जदयू आदि के नेता आरक्षण की सीमा बढ़ा रहे हैं या बढ़ाने का दावा कर रहे हैं तो भाजपा के नेता मौजूदा आरक्षण का वर्गीकरण करके पिछड़ों में अति पिछड़ों और दलितों और अत्यंत दलितों को अतिरिक्त आरक्षण देने का दांव चल रहे हैं। तभी सोचें कि इस राजनीति में क्या नया है?

इसका जवाब खोजते-खोजते वर्तमान हिंदी कविता के सबसे चमकदार नक्षत्र कुमार विश्वास का ध्यान आता है। उन्होंने कोई 2० साल पहले एक कविता लिखी, 'कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है', जो कि बेहद मशहूर हुई। उसके बाद से वे थोड़े थोड़े अंतराल पर इसी कविता में कुछ नई पंक्तियां जोड़ते चलते हैं। उन्होंने कुछ अन्य कविताएं भी लिखीं लेकिन उनको वह लोकप्रियता नहीं मिली, जो उनकी इस कविता को मिली। इसलिए नई कविता लिखने, नए प्रयोग करने की बजाय वे अपनी पुरानी और मशहूर कविता में नई पंक्तियां जोड़ते जाते हैं। उसी तरह बिहार में राजद और जदयू के नेताओं ने कुछ और राजनीति भी आजमाई लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली या कामयाबी मिलने की संभावना नहीं दिखी तो फिर से पुरानी और सफल रही राजनीति में नई लाइनें जोडऩी शुरू कर दीं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार अब भी वही राजनीति कर रहे हैं, जिसके दम पर दोनों सफल हुए, मुख्यमंत्री बने और पिछले 33 साल से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

असल में यह राजनीति सत्तर के दशक से ही चल रही है। कर्पूरी ठाकुर के मुख्यमंत्री बनने के समय पिछड़ा और अति पिछड़ा का वर्गीकरण करके उनके लिए क्रमश- आठ और 12 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था। बाद में पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों का 18 फीसदी कर दिया गया था, जिसे अब फिर से बढ़ाने की घोषणा की गई है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की जो कथित नई राजनीति है उसके तहत पिछड़ी जातियों को 18 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों को 25 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने ऐसा करने के लिए जाति गणना को आधार बनाया है, जिसके तहत पिछड़ी जातियों की आबादी 27 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों की आबादी 36 फीसदी बताई गई है। इसमें मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियां भी शामिल हैं। सो, कह सकते हैं कि बिहार में कर्पूरी ठाकुर से लेकर नीतीश कुमार तक इतनी तरक्की हुई है कि पिछड़ी जातियों का आरक्षण आठ से बढ़ा कर 18 फीसदी किया जा रहा है और अत्यंत पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 25 फीसदी किया जा रहा है!

सोचें, इसको नई राजनीति कैसे कह सकते हैं? यह नई बोतल में पुरानी शराब जैसी है, फर्क इतना है कि इस बार बोतल बड़ी कर दी गई है। याद करें 2०15 के बिहार विधानसभा चुनाव में जब लालू प्रसाद और नीतीश कुमार एक साथ आए थे तब उन्होंने क्या राजनीति की थी? तब भी आरक्षण ही केंद्रीय मुद्दा था। असल में चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा का एक बयान दे दिया था, जिसे बिहार की दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं ने मुद्दा बना दिया। हालांकि ऐसा नहीं था कि मोहन भागवत बयान नहीं देते तो दोनों पार्टियां विकास, उद्योग, शिक्षा या स्वास्थ्य के मुद्दे पर चुनाव लडऩे जा रही थीं। दोनों तब भी जातिगत आरक्षण के मुद्दे पर ही चुनाव लड़तीं। उस चुनाव के 1० साल बाद 2०25 फिर से दोनों पार्टियां साथ मिल कर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगी तब भी उनके पास कोई दूसरा मुद्दा या एजेंडा नहीं है। वे उसी मुद्दे पर लडऩे जा रही हैं, जिस पर 2०15 में लड़ा था या 199० में लड़ा था। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि पहले इस मुद्दे पर लड़ चुके हैं तो इस बार लडऩे पर इसका फायदा नहीं मिलेगा। यह कोई काठ की हांडी जैसी नहीं है कि दोबारा चूल्हे पर नहीं चढ़ा सकते। बिहार की जनता हो सकता है कि फिर से इस मुद्दे पर मतदान करे और मंडल के मसीहाओं को चुनाव जिताए।

लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को इस मुद्दे पर कितना भरोसा है इसका अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि दोनों ने 33 साल के अपने शासन की पोल खोलने वाले सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े भी जनता के सामने पेश कर दिए हैं। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में इसके आंकड़े पेश किए और बताया कि बिहार के एक तिहाई से ज्यादा करीब 34 फीसदी परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक कमाई छह हजार रुपए से कम है। सोचें, अगर पांच लोगों का एक परिवार है तो हर व्यक्ति की मासिक कमाई 12 सौ रुपए यानी 4० रुपए रोज से कम है। राज्य में सिर्फ सात फीसदी आबादी ग्रेजुएट है और महज पांच फीसदी लोगों के पास किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है। सिर्फ पांच फीसदी लोग सरकारी या निजी नौकरी में हैं और 17 फीसदी मजदूरी करते हैं। सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और 67 फीसदी आबादी की एक श्रेणी है, जिसे राज्य सरकार ने गृहिणी व विद्यार्थी कहा है। यानी इनके पास आय उपार्जित करने का कोई काम नहीं है।

सोचें, बिहार की भयावह गरीबी व बदहाली की तस्वीर दिखाने वाली इस रिपोर्ट को पेश करने के बाद भी सरकार चला रही दोनों पार्टियां विकास का कोई एजेंडा पेश करने और अगले 25 साल के विकास का कोई रोडमैप बना कर लोगों के सामने रखने की बजाय यह कहा कि सरकार आरक्षण बढ़ा कर 75 फीसदी करेगी। सवाल है कि बिहार की 13 करोड़ आबादी में से सिर्फ 6० लाख लोगों के पास नौकरी है, जिसमें से कुछ लोगों के पास सरकारी नौकरी है और बाकी संगठित या असंगठित क्षेत्र की निजी नौकरी करते हैं वहां आरक्षण की सीमा बढ़ा देने से कितनी आबादी को क्या हासिल हो जाएगा? अगर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ाए जाते हैं या रोजगार आधारित विकास का मॉडल नहीं बनता है तो आरक्षण बढ़ाने से क्या होगा? लेकिन ऐसा लगता है कि इससे बिहार की जनता को भी कोई फर्क नहीं पड़ता है। वह जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के प्रतीकात्मक व भावनात्मक मुद्दे को ही जीवन का सार समझ कर अपना कीमती वोट दे सकती है। दुर्भाग्य से यही राजनीति पूरे देश में हो रही है और लगभग सभी पार्टियां कर रही हैं।

सू- दोकू क्र.095

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.94का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

सरकारी दावों के विपरीत

अगर आम जन की वास्तविक आय नहीं बढ़ती है, तो उनका उपभोग घटता है, जिसका असर बाजार में मांग पर पड़ता है और अंतत- यह स्थिति कारोबार जगत को प्रभावित करती है। अब ऐसा होने के साफ संकेत मिल रहे हैं।

भारत में आर्थिक वृद्धि दर के लाभ आम जन तक नहीं पहुंच रहे हैं, इस बारे में तो पहले से पर्याप्त आंकड़े मौजूद रहे हैं। लेकिन अब व्यापार जगत का कारोबार भी मद्धम हो चला है, यह रोज-ब-रोज जाहिर हो रहा है। वैसे देखा जाए, तो इन दोनों परिघटनाओं में सीधा संबंध है। अगर आम जन की वास्तविक आय नहीं बढ़ती है, तो उनका उपभोग घटता है, जिसका असर बाजार में मांग पर पड़ता है और अंतत- यह स्थिति कारोबार जगत को प्रभावित करती है। अब ऐसा होने के साफ संकेत मिल रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट- अहमदाबाद की ताजा बिजनेस इन्फ्लेशन एक्सपेक्टेशन सर्वे (बीआईईएस) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों की बिक्री और मुनाफे की स्थिति मद्धम बनी हुई है। सर्वे में शामिल 56 फीसदी कंपनियों ने बताया कि बीते सितंबर में उनकी बिक्री सामान्य से काफी कम अथवा कुछ कम रही। अगस्त में ऐसा कहने वाली कंपनियों की संख्या 52 प्रतिशत थी। इसी तरह आगे बिक्री सामान्य या सामान्य से अधिक होने की आशा रखने वाली कंपनियों की संख्या में अगस्त की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

यह स्थिति तब है, जब कंपनियों पर लागत में वृद्धि का दबाव नहीं बढ़ रहा है। जाहिर है, कंपनियों की बिक्री इसलिए नहीं बढ़ रही है, क्योंकि उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति घटती चली गई है। इस ट्रेंड की पुष्टि एक बिजनेस अखबार की एक रिपोर्ट से भी होती है, जिसमें बताया गया है कि पिछली दो तिमाहियों में कॉरपोरेट सेक्टर के मुनाफे में भारी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन बिक्री से होने वाली उन कंपनियों की आय घट गई है। स्पष्टत- यह मुनाफा शेयर बाजार से हुआ है। यानी अब शेयर बाजार का एक अलग गतिशास्त्र बन गया है, जिसका परंपरागत अर्थ में जिसे अर्थव्यवस्था समझा जाता है, उससे संबंध बेहद कमजोर हो चुका है। तो बात घूम-फिर कर सरकारी दावों पर आ जाती है, जिनमें देश की माली हालत की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के रोज नए तर्क ढूंढे जाते हैं। जबकि यह रोज अधिक स्पष्ट होता जा रहा है कि असल अर्थव्यवस्था उन दावों की विपरीत दिशा में जा रही है। (आरएनएस)

झोला लटकाकर अफगानी व्यक्ति के किरदार में दिखे मिथुन चक्रवर्ती

दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की अपकमिंग बंगाली फिल्म काबुलीवाला का पहला पोस्टर पिछले मंगलवार को जारी किया गया।

पोस्टर में अनुभवी अभिनेता को काबुलीवाला की भूमिका में एक प्यारी सी बच्ची के साथ सड? पर चलते हुए दिखाया गया है।

बैकग्राउंड में पुरानी दुनिया की वास्तुकला और बांग्ला भाषा वाले बैनर और कुछ लोग बैठे हुए देखे जा सकते हैं।

यह फिल्म रबींद्रनाथ टैगोर की शॉर्ट स्टोरी पर आधारित है और इसकी 6० प्रतिशत कहानी कोलकाता में और बाकी अफगानिस्तान में सामने आती है।

फिल्म के कलाकारों में रहमत की भूमिका में मिथुन चक्रवर्ती और प्यारी मिनी का किरदार निभा रही अनुमेघा शामिल हैं। उनके साथ अबीर चटर्जी और सोहिनी सरकार हैं, जो मिनी के माता-पिता के किरदार में हैं।

जियो स्टूडियोज और एसवीएफ द्वारा निर्मित यह फिल्म सुमन घोष द्वारा निर्देशित है, और क्रिसमस 2०23 के दौरान सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट
दून इंटरनेशनल स्कूल ने जीती चैम्पियनशिप

संवाददाता

देहरादून। श्री रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में गुरूनानक एकेडमी को हरा दून इंटरनेशनल स्कूल ने खिताब पर कब्जा किया। आज यहां सहस्त्रधारा रोड स्थित द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के मैदान में खेली जा रही श्री रोहिताश सिंह मैमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मैच में मुख्य अतिथि डॉक्टर ए एम गुरुमूर्ति, स्कूल के चेयरमैन अवधेश चौधरी, निदेशक सिद्धार्थ चौधरी व चन्द्रिका चौधरी, प्रधानाचार्य दीपाली सिंह ने दोनों टीमों के खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया और दून इंटरनेशनल स्कूल और गुरूनानक एकेडमी की टीम के बीच खेला गया। मैच के पहले हाफ से ही दोनों ओर के खिलाड़ियों ने तालमेल दिखाते हुए अच्छा खेल खेलते हुए गोल करने के लिए एक दूसरे पर भरसक प्रयास किये और मैच में दून इंटरनेशनल के खिलाड़ी हावी होने लगे और पहले हाफ में एक के बाद एक गोल दागते हुए चले गये। मैच के पहले हाफ में दून इंटरनेशनल स्कूल की टीम 4-0 से बढ़त बनाये हुए थी। मैच के दूसरे हाफ में गुरूनानक एकेडमी के खिलाड़ियों ने मैच में वापसी करने के लिए गोल दागने का प्रयास किया लेकिन दून इंटरनेशनल स्कूल के गोलकीपर ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया और लगातार विपक्षी टीम के खिलाड़ियों के द्वारा लगाई जाने वाली शॉट को रोकने में कामयाबी हासिल की। मैच के अंतिम समय में दून इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने 5-0 से जीतकर खिताब पर कब्जा किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. ए.एम. गुरुमूर्ति ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जो खेल दिखाया है और उसकी प्रशंसा की और कहा कि यह एक यादगार अवसर बन गया। सतीश कुलाश्री ने रैफरी की भूमिका निभाई।

सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के लिए की विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव में सिलक्यारा में टनल में फंसे श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए विशेष पूजा अर्चना की गयी।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में सिलक्यारा सुरंग उत्तरकाशी में फसे मजदूरों के लिए विगत 11 दिनों से लगातार विशेष पूजा अर्चना की जा रही है इसी कड़ी में आज भी विशेष पूजा अर्चना कर सभी मजदूरों की सफल निकासी, इस आपरेशन में काम कर रहें सेना, पुलिस बलों, बी आर ओ सहित सभी केंद्र और राज्य सरकार एजेंसियों से जुड़े लोगों और मजदूरों के परिजनों को शक्ति प्रदान करने के लिए भी मां गंगा, मां यमुना, भगवान बद्री विशाल और भगवान केदारनाथ जी सहित उत्तराखंड की सभी आध्यत्मिक शक्तियों से विशेष प्रार्थना की गई, इस अवसर पर पण्डित अरविंद बडोनी, हर्षपति रयाल, वैभव जोशी सहित काफी श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

मिशन जिंदगीः कामयाबी के करीब

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कामयाबी की तरफ अग्रसर है लेकिन अन्य सभी विकल्पों पर भी काम जारी है किसी भी काम को रोका नहीं गया है।

पत्रकार वार्ता में मौजूद सचिव डॉ नीरज खैरवाल ने बताया कि जिस 6 इंच के पाइप से हम कल से खाने पीने का सामान भेज रहे थे वह काम अभी जारी है। कल इंडोस्कोपी कैमरे से अंदर फंसे लोगों का हाल-चाल जाना जा सका था आज हमने अंदर माइक्रोफोन और वायर भी पहुंचा दी है जिसके जरिए श्रमिक अपने वीडियो भेज सकते हैं तथा फोन पर बात भी कर रहे हैं। डॉक्टरों की टीम ने उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर बात की है तथा उन्हें दवाई भी भेजी है वहीं कुछ छोटे कपड़े और टूथपेस्ट ब्रश आदि जरूरी सामान भी भेजा है। श्रमिकों का हौसला बुलंद है उनका कहना है हम अंदर का मोर्चा संभाले हुए हैं आप बाहर का काम देखिए। उन्होंने कहा कि उन्हें भी अब यह जानकारी है कि बहुत जल्द वह सभी सुरक्षित बाहर आ सकते हैं इसलिए निराशा जैसी अब कोई बात नहीं है। पत्रकार वार्ता में उन्होंने यह भी बताया कि होरिजेंटल ड्रिलिंग का काम भी जारी है तथा 70 मीटर तक खुदाई का काम हो चुका है वहीं बड़कोट की तरफ काम के साथ दूसरे सभी विकल्पों पर भी काम हो रहा है। पत्रकार वार्ता में एनएआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद तथा एसडीआरएफ के प्रमुख कमांडेंट मणिकांत मिश्रा भी मौजूद थे।

तीन दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

संवाददाता

गंगोलीहाट। जलागम परियोजना के तहत विकासखंड के ग्राम पंचायत दौला उप्रेती में बकरी पालन प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया।

आज यहां जलागम परियोजना के तहत विकासखंड के ग्राम पंचायत दौला उप्रेती में बकरी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। बकरी पालन के लिए नई तकनीकी सिखाई गई। इस अवसर पर बेरीनाग की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रणनय अग्रवाल ने पशुपालन विभाग द्वारा बकरी पालन के प्रोत्साहन के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी। प्राथमिक विद्यालय दौला उप्रेती में परियोजना की द्वितीय यूनिट द्वारा आयोजित बकरी पालन के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन दौला उप्रेती की ग्राम प्रधान श्रीमती रंजना देवी तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य अरविंद कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यूनिट अधिकारी ललित हर्बोला ने जलागम द्वारा आजीविका के क्षेत्र में बकरी पालन, मुर्गी पालन तथा लोहार गिरी से पैदा होने वाले रोजगारों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने कहा कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों का जीवन स्तर ऊपर उठाना पहली प्राथमिकता है।

प्रशिक्षण में सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ के प्रशिक्षक कुंदन सिंह बोरा तथा दीपक बोरा द्वारा बकरी पालन के इतिहास पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि हम बकरी पालन किस उद्देश्य से कर रहे है। पहले बकरी पालक को इस बात को तय करना होता है।

उन्होंने बताया कि मांस, ऊल तथा दूध के लिए बकरी पालन किया जाता है। इन तीन लक्ष्यों में से एक लक्ष्य तय करते हुए बकरी पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया जा सकता है। बेरीनाग से पहुंची पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अग्रवाल ने बकरी पालन के क्षेत्र में वैज्ञानिक आधार पर किए जाने वाली प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बकरी का भोजन तथा उसे होने वाली बीमारियों के बारे में सामान्य जानकारी हर बकरी पालन को होनी चाहिए। बकरी के बीमार होने पर तत्काल पशु चिकित्सालय से संपर्क किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा बकरी पालन को प्रोत्साहन देने के लिए पांच बकरियों को खरीदने के लिए विभाग द्वारा ऋण दिया जा रहा है। उसके बाद विभाग 10 बकरियां देकर इस व्यवसाय को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना का लाभ लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि बकरी पालन से हम एक अच्छी आय अर्जित कर सकते है। इस विषय पर बकरी पालन को आगे आकर इस योजना का लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर परियोजना की अवर अभियंता निर्मल चंद्र पुनेठा, संजीव कुमार, संदेश राम, देवेंद्र सिंह, प्रियंका देवी, कमला देवी, जानकी देवी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने भागीदारी की।

सिलक्यारा में टनल में फंसे श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए किया यज्ञ

संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में टनल में फंसे 41 श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए भाजपा जीएमएस मंडल द्वारा यज्ञ हवन का आयोजन किया गया।

आज श्रीमती सविता कपूर विधायक कैंट सुमित पांडेय मंडल अध्यक्ष जी,एम,एस मंडल कैंट विधानसभा के मार्गदर्शन में सिलक्यारा उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में मलबा आने की वजह से फसे 41 श्रमिक भाइयो की सकुशल सुरक्षित वापसी के लिए आर्य समाज मंदिर लक्ष्मण चौक पर यज्ञ हवन का आयोजन कर प्रभु से प्रार्थना याचना की प्रभु से 41 श्रमिको को जल्द से जल्द अपने परिवारजनों से मिल पाने की कामना करी।

यज्ञ में विनय गोयल पूर्व प्रदेश वक्ता, हितेश सिंह मंडल मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक, विजय गुप्ता मंडल महामंत्री, शेखर नौटियाल मंडल महामंत्री,श्रीमती मीनाक्षी मौर्य पार्षद, संजय सिंघल,श्रीमती अर्चना आनंद, श्रीमति रीता विशाल, विनोद तोमर, सूरज बिष्ट, विकास बेनिवाल, धीरज ग्रोवर, मनीष भाटिया, श्रीमती मुक्ता वर्मा, अरुण वैश्य, मनोज ठाकुर, हरीश आनंद, गोपाल दुमका, अनिल आनंद,गौरव तोमर,श्रीमति मधु जैन, श्रीमती रेखा निगम आदि मौजूद थे।

सिलक्यारा पहुचे नेता प्रतिपक्ष, राहत व बचाव कार्यो पर उठाये सवाल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा में सरकार जिन मोर्चो पर कार्य करने का दावा कर रही है वह धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहे है। बस मजदूरों की फोटो और वीडियो जारी कर सिर्फ वाह-वाही लूटी जा रही है।

सिलक्यारा में धरातलीय निरीक्षण के पश्चात यह बात आज नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य द्वारा प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कही गयी। उन्होने सरकार के राहत बचाव कार्यो पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि सरकार जिन मोर्चो पर कार्य करने का दावा जोर शोर से कर रही है वह धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहे है। बस मजदूरों की फोटो जारी कर वाह वाही लूटी जा रही है। जबकि

प्राथमिकता उन्हे बचाने की होनी चाहिए थी। उन्होने राहत बचाव कार्य में लगे कर्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि वह ईश्वर से प्राथना करते है कि सभी फंसे हुए मजदूरों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाये। इस दौरान उनके साथ उत्तरकाशी जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीष राणा, मनोज रावत, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कैंतुरा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नत्थी लाल शाह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के चांसलर के ठिकानों पर आयकर विभाग ने की छापेमारी

हमारे संवाददाता

देहरादून।दून। आयकर विभाग की टीम ने आज उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के चांसलर के ठिकानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की टीम सुबह से ही यहां डेरा डाले हुए है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम अनुराग चौक के पास पर्ल हाइट नाम की बिल्डिंग के फ्लैट में भी गई। टीम के साथ हरिद्वार पुलिस भी है। पास में ही उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के चांसलर डा. जितेन्द्र जोशी का भी मकान है। सूत्रों का कहना है कि एक टीम चांसलर के घर में भी है। हालांकि, स्थानीय अधिकारी कुछ भी जानकारी देने से बच रहे है। बता दें कि बीते रोज हरिद्वार में एक बीड़ी कारोबारी के घर पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। टीम ने कारोबारी के घर में दस्तावेजों की जांच की थी। आयकर की टीम सुबह करीब तीन बजे ज्वालापुर स्थित वसंत विहार कॉलोनी में कारोबारी के घर पहुंची थी। बहरहाल खबर लिखे जाने तक छापेमारी जारी थी।

भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा सर्विस फिर से शुरू की

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए ई-वीजा सर्विस फिर से बहाल कर दी है। सूत्रों के हवाले से ये बड़ी खबर है। ये रिपोर्ट उस वक्त आई है, जब खालिस्तान मामले को लेकर भारत और कनाडा के संबंध काफी खराब हो चुके हैं और भारत ने कनाडा के आधे से ज्यादा डिप्लोमेट्स को नई दिल्ली से निकाल दिया है। सितंबर में, भारत-कनाडाई द्विपक्षीय संबंधों के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को निर्लंबित कर दिया था। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था, कि जून में कनाडाई नागरिक खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में ष्भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। भारत सरकार ने निज्जर की मौत में शामिल होने के बेतुके और प्रेरित आरोपों का मजबूती से खंडन किया है, और ओटावा से अपने दावों के समर्थन में सबूत साझा करने की मांग की है।पिछले हफ्ते भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फिर से कहा था, कि कनाडा सरकार ने अभी तक निज्जर की हत्या से संबंधित जानकारी भारत के साथ साझा नहीं की है। वहीं, वीजा बैन लगाने के बाद पिछले महीने भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था, कि फिलहाल कनाडाई नागरिक भारतीय वीजा के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे, भले ही वह किसी अन्य देश में रह रहा हो। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, कि अन्य देशों से आवेदन करने वाले कनाडाई लोगों को भी कोई वीजा नहीं दिया जाएगा।

पीएम पर आजीबों-गरीब बयान देकर घिरी राखी सावंत, एफआईआर दर्ज

मेरठ। बॉलीवुड में कई आइटम सॉन्ग कर चुकी राखी सांवत अक्सर अपनी अजीब हरकतों के लिए मीडिया की लाइमलाइट में बनी रहती हैं। दरअसल, अपनी बेबाकी से दिए जाने वाले बयान ने इस बार उनकी मुश्किले बढ़ा दी है और मेरठ में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। हाल ही में राखी सांवत का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उन्होंने पीएम मोदी के लिए टिप्पणी करते हुए कहा, ष्मोदी जी आप मुझे अपनी योगा टीचर बना लो...ष, ये कहने के बाद उन्होंने योगा के स्टेप भी दिखाए। हालांकि, यह बेहद अजीब था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद मेरठ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। जानकारी के अनुसार, मेरठ पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गई है, जहां अभिनेत्री पर वीडियो में अपनी टिप्पणी और भद्दे इशारों से देश के प्रमुख नेता का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। वीडियो में राखी परफॉर्म करती नजर आ रही हैं। उनका मानना है कि यह पद मोदी के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस बीच, राखी सावंत के वीडियो पर कई लोगों कमेंट्स भी आ रहे हैं। जिनमें से कई ने वीडियो में कुछ भी गलत नहीं पाया और राखी का सपोर्ट किया है। वहीं, कई यूजर्स ने राखी की हरकत पर आपत्ति भी जताई। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब राखी का नाम किसी विवाद से जुड़ा है। राखी सावंत अक्सर किसी न किसी विवाद में फंसती नजर आती हैं।

शासन ने किये 25 आईएएस व पीसीएस के तबादले

संवाददाता

देहरादून। शासन ने 25 आईएएस व पीसीएस अधिकारियों के तबादले करते हुए वीर सिंह बुदियाल को अपर नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून का कार्यभार सौंपा।

आज यहां शासन ने 25 आईएएस व पीसीएस अधिकारियों के तबादले करते हुए आईएएस मनुज गोयल को अपन आयुक्त निगर निगम दून से अपर सचिव ग्राम्य विकास पद पर भेजा इसके साथ ही संदीप तिवारी को सीडीओ नैनीताल एव एमडी केएमवीएन अतिरिक्त कार्यभार से एमडी केएमवीएन (मूल तैनाती), वरूण चौधरी को सीडीओ पिथौरागढ से नगर आयुक्त नगर निगम हरिद्वार, अभिनव शाह ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रूडकी से सीडीओ चमोली, नंदन कुमार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मसूरी से सीडीओ पिथौरागढ, दिवेश शाशनी डिप्टी कलेक्टर पिथौरागढ से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रूडकी, डा. दीपक सैनी को डिप्टी कलेक्टर चमोली से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मसूरी का कार्यभार सौपा। इसके साथ ही पीसीएस अशोक कुमार पाण्डेय अपर निदेशक शहरी विकास निदेशालय देहरादून से सीडीओ नैनीताल, डा. ललित नारायण मिश्र को मुख्य विकास अधिकारी चमोली से अपर निदेशक शहरी विकास निदेशालय देहरादून, श्याम सिंह राणा को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी, तथा स्टाफ आफिसर-अध्यक्ष राजस्व परिषद से अपर जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग, वीर सिंह बुदियाल को अपर जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग से अपर नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून, अनिल गर्ब्याल को महाप्रबन्धक गढवाल मण्डल विकास निगम तथा एसीईओ उत्तराखण्ड सिविल एविएशन डेवलमेंट अर्थारिटी का अतिरिक्त प्रभार से महाप्रबंधक (प्रशासन) उत्तराखण्ड परिवहन निगम एवं स्टाफ आफिसर उत्तराखण्ड राजस्व परिषद का अतिरिक्त प्रभार, दयानन्द सरस्वती नगर आयुक्त नगर निगम हरिद्वार तथा उपकुम्भ मेलाधिकारी हरिद्वार का अतिरिक्त प्रभार से महाप्रबंधक गढवाल मण्डल विकास निगम तथा एसीईओ उत्तराखण्ड सिविल एविएशन डेवलमेंट अर्थारिटी का अतिरिक्त प्रभार, आईएएस अशीष भटगाई को निदेश समाज कल्याण हल्द्वानी से अभी रिक्त रखा गया है। पीसीएस भवान सिंह चलाल को निदेशक सेवायोजन हल्द्वानी से निदेशक मण्डी परिषद रूद्रपुर, राजकुमार पाण्डेय को सम्बद्ध कार्यालय आयुक्त नैनीताल से डिप्टी कलेक्टर चमोली, रविन्द्र कुमार जुवांठा को डिप्टी कलेक्टर चमोली से डिप्टी कलेक्टर हरिद्वार, अनिल शुक्ला डिप्टी कलेक्टर पिथौरागढ से डिप्टी कलेक्टर रूद्रप्रयाग,आईएएस सुश्री वरूणा अग्रवाल को जनपद प्रशिक्षण से डिप्टी कलेक्टर अल्मोडा, सुश्री अनामिका को जनपद प्रशिक्षण से डिप्टी कलेक्टर पौडी, आशीष कुमार मिश्रा को जनपद प्रशिक्षण से डिप्टी कलेक्टर पिथौरागढ का कार्यभार सौपा गया। इसके अतिरिक्त पीसीएस स्मृता परमार को डिप्टी कलेक्टर पौडी से उप सचिव उत्तराखण्ड सूचना आयोग देहरादून, सचिवालय सेवा की श्रीमति गरिमा रौकली को अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से अपर सचिव सिंचाई लघु सिचाई उमेश नारायण पाण्डेय को अपर सचिव सिंचाई, लघु सिचाई, उद्योग एवं निदेशक राजकीय मुद्रणालय रूडकी से प्रतिक्षा में रखा गया तथा आईआरटीएस हरीश रैरटोलिया को बाध्य प्रतीक्षा से अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन विकास परिषद का कार्यभार सौपा गया तथा सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये।

❑वीर सिंह बुदियाल बने दून के अपर नगर आयुक्त

एलएलबी के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तरांचल विवि के एलएलबी के छात्र ने देर रात पीजी में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कृष्णा शुक्ला(21) निवासी 86/57 छितावापुर, खास स्टेशन रोड लखनऊ(उत्तर प्रदेश) के फांसी लगाने की सूचना पुलिस को 112 के माध्यम से मिली। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को पंखे से उतार कर उसे संयुक्त चिकित्सालय प्रेमनगर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया है। मृतक छात्र प्रेमनगर के महिमा एनक्लेव कैरी गांव के एक पीजी में रहता था। मकान मालिक दीपक कुमार ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार उन्होने मृतक छात्र के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। वहीं, मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

मकान से मिली 110 पेटी शराब

संवाददाता

देहरादून। खलंगा में एक घर से 110 पेटी शराब की पकडे जाने पर आबकारी आयुक्त ने सहायक आबकारी आयुक्त व निरीक्षक को निलम्बित कर जिला आबकारी अधिकारी को पद से हटा दिया।

उल्लेखनीय है कि आबकारी विभाग के ऋषिकेश सेक्टर की टीम ने रायपुर क्षेत्रान्तर्गत खलंगा मार्ग पर अजय सिंह के घर पर छापा मारा। यहां से आबकारी टीम ने इंपोर्टेड व भारत निर्मित शराब की कुल 110 पेटी शराब बरामद कर ली। मौके पर शिवम जायसवाल निवासी शाहजहां पुर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चंडीगढ में शराब सस्ती होने के कारण वह लम्बे समय से इस तरह की तस्करी में लिप्त था। आबाकारी आयुक्त उत्तराखण्ड एचसी सेमवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर में छापेमारी में 110 पेटी शराब के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण में शिथिलता पाए जाने पर सहायक आबकारी आयुक्त मण्डलीय प्रवर्तन देवेन्द्र गिरी गोस्वामी के निलंबनकी संस्तुति शासन को प्रेषित की जा रही है।

वहीं राजीव सिंह चौहान जिला आबकारी अधिकारी/सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन को पद से हटाते हुए कार्यालय आबकारी आयुक्त उत्तराखण्ड से सम्बद्ध किया गया। इसके साथ ही सुश्री सरोज पाल आबकारी निरीक्षक प्रवर्तन देहरादून को निलम्बित किया गया। श्रीमती प्रेरणा बिष्ट को आबकारी निरीक्षक ऋषिकेश को सहायक आबकारी आयुक्त जनपदीय प्रवर्तन देहरादून का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

❑सहायक आबकारी आयुक्त व निरीक्षक निलम्बित, चौहान को पद से हटाया

हत्या का खुलासा, नशे की लत ने दोस्त... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जिस पर पुलिस ने कमल रावत की तलाश शुरू कर दी गयी। जो कि फरार हो गया था जिसे देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में कमल रावत ने बताया कि हम सभी दोस्त नशे के आदी है। उस रात हम सभी ने काफी मात्रा में नशा किया हुआ था। जिसके बाद सिद्धार्थ व मंयक कल्याल अपने घर चले गये। देर रात जब में पार्थ के साथ था तो किसी बात पर पार्थ मुझे गालियां देने लगा। इस बात से नाराज होकर मैने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को उसकी ही कार में छोड़ दिया और स्वंय घर चला गया। सुबह दोस्तों का फोन आने पर मैंने पार्थ के साथ हुयी घटना को छुपाते हुये कहा कि पार्थ ने मुझे घर छोड दिया था और चला गया था। दो तीन दिन बाद मुझे पता चला की पार्थ की मौत नशे के ओवर डोज से हुयी है। तो मैं निश्चिन्त हो गया पर जब मुझे पता चला कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पार्थ की हत्या होना आया है तो मैं डर गया और कल हरिद्वार भागने की फिराक में था मैं पहले भी हरिद्वार में रह चुका हूँ पर मुझे पता था पुलिस मुझे तलाश कर रही है। इस लिये मैं अलग अलग साधनो मे भाखडा पहुँचा था पर पुलिस ने मुझे पकड़ लिया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।